BSKC101

बी.ए. ऑनर्स संस्कृत कार्यक्रम

(बी.ए.एस.के.एच)

सत्रीय कार्य (प्रथम छमाही)

(First Semester)

जनवरी, 2022 एवं जुलाई, 2022 सत्रों के लिए

BSKC – 101 लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. आनर्स संस्कृत (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022–23)

पाठ्यक्रम कोड : **BASKH/BSKC-101/2022 - 23**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है ।

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

दिनाँक : ....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी 2022 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2022

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 30 अक्टूबर 2022

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 101 लौकिक संस्कृत पद्य–साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – BSKC-101
पाठ्यक्रम शीर्षक – लौकिक संस्कृत पद्य–साहित्य
सत्रीय कार्य – BSKC – 101/TMA/2022-2023

पूर्णांक – 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित पद्यांशों में से किन्हीं चार की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :– 4x10 =40

(क.) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे, जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रिय ंप्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

अथवा

(ख.) महौजसो मानधनाः धनार्चिताः, धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तय ः।

न सहं तास्तस्य न भिन्नवृत्तयः, प्रियाणि वाञ्छन्त्यसुभिः समीहितुम् ।।

अथवा

(ग.) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ।।

अथवा

(घ.) आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।
आगमैः सदृशारम्भः आरम्भसदृशोदयः ।।

अथवा

(ड.)येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।

अथवा

(च.) कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम् ।

दिदृक्षवस्तामृषयो अभ्युपागमन् न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।।

2. निम्न में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **5x10 =50**

क .लौकिक संस्कृत साहित्य का परिचय दीजिए ।

ख. मुक्तक क्या है ? भर्तृहरि के मुक्तक की विशेषताओं को लिखिए ।

ग. महाकाव्यों के लक्षण और प्रमुख महाकाव्यों का परिचय दीजिए ।

घ. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर वनेचर की विशेषताओं को लिखिए ।

ड. कुमारसम्भवम् के पंचम् सर्ग के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए ।

च. रघुवंश के प्रथम सर्ग का सार लिखिए ।

3. निम्न में से किन्हीं दों पर टिप्पणी लिखिए – **2x5 =10**

क. नीतिशतक में प्रतिपादित विषयों पर लेख लिखिए ।

ख. अश्वघोष के महाकाव्यों पर निबन्ध लिखिए ।

ग. खण्डकाव्य की विशेषताओं को लिखिए ।